प्रेस विज्ञप्ति*
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: के.वी.के. कटिया ने प्राकृतिक खेती की ध्वजवाहक 'कृषि सखियों' को किया सम्मानित
सीतापुर जनपद में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाली महिलाओं के संघर्ष और सफलता की कहानियों को अब मिलेगा राष्ट्रीय मंच
नारी शक्ति से महकेगी खेती: केवीके कटिया में 'सशक्त महिला, समृद्ध कृषि' के संकल्प के साथ मना महिला दिवस
भाकृअनुप-अटारी, जोन-III, कानपुर के संयोजन में आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), कटिया, सीतापुर द्वारा "महिला सम्मान कार्यक्रम" का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनपद में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही महिलाओं, विशेषकर 'कृषि सखियों' के योगदान को रेखांकित करना और उन्हें सम्मानित करना रहा।
सम्मान और नई पहचान: कार्यक्रम के दौरान सीतापुर जनपद के विभिन्न विकास खंडों में प्राकृतिक खेती (Natural Farming) को बढ़ावा देने में अतुलनीय कार्य कर रही कृषि सखियों को केंद्र द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कृषि सखियों के निर्धारित ड्रेस कोड के अनुरूप उन्हें साड़ियाँ वितरित की गईं, जो न केवल उनकी पहचान को सशक्त करेंगी बल्कि उनके कार्य के प्रति सम्मान का प्रतीक भी हैं।
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव ने कहा, "आज की खेती में महिलाओं की भूमिका केवल श्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वे अब निर्णय लेने वाली भूमिका में हैं। प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने में हमारी कृषि सखियों का योगदान अद्वितीय है। वे न केवल मिट्टी की सेहत सुधार रही हैं, बल्कि समाज को विषमुक्त भोजन देने का संकल्प भी पूरा कर रही हैं।"

प्रसार वैज्ञानिक, शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि सफलता की कहानियों का होगा राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन इसके अंतर्गत प्रत्येक क्लस्टर में कार्यरत कृषि सखियों के माध्यम से उनके कार्यक्षेत्र में आए गुणात्मक बदलाव और 'सफलता की कहानियों' (Success Stories) को संकलित किया जा रहा है । इन प्रेरणादायी कहानियों को दस्तावेजीकरण के बाद राष्ट्रीय पटल पर प्रकाशित किया जाएगा, ताकि सीतापुर की इन महिलाओं का मॉडल पूरे देश के लिए प्रेरणा बन सके।
वैज्ञानिक डॉ. आनंद सिंह ने प्रसार शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "कृषि सखियाँ प्रयोगशाला और खेत के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। सूचनाओं को धरातल पर उतारने में उनका कौशल सराहनीय है।"
सस्य वैज्ञानिक, डॉ. शिशिर कांत सिंह ने तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों को जिस बारीकी से महिलाएं अपना रही हैं, उससे फसल लागत कम हुई है और भूमि की उर्वरता में सुधार दिख रहा है।
इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में चयनित ५ महिलाओं क्रमशः नीतू देवी, तारा देवी, ज्योति, राजकुमारी एवं अंजलि को पुरस्कृत किया गया।
डॉ. शुभम सिंह राठौर ने भी कृषि सखियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हर संभव तकनीकी सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित महिलाओं ने आत्मनिर्भर भारत और रसायन मुक्त खेती का संकल्प लिया।

महिला सम्मान कार्यक्रम
"सशक्त महिला, समृद्ध कृषि, उज्जवल भविष्य"

महिला सम्मान कार्यक्रम

महिला सम्मान कार्यक्रम
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च, 2026)

महिला सम्मान कार्यक्रम

महिला सम्मान कार्यक्रम

महिला सम्मान कार्यक्रम
"सशक्त महिला, समृद्ध कृषि, उज्जवल भविष्य"

प्रशासनिक भवन
कृषि विज्ञान केन्द्र II, सीतापुर (उ.प्र.)

महिला सम्मान कार्यक्रम
"सशक्त महिला, समृद्ध कृषि, उज्जवल भविष्य"